गुरु जंभेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोध पीठ

1. **विभाग का नाम :- गुरु जंभेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ**
2. **विभाग की स्थापना :-** 2016
3. **विभाग का परिचय :-**

गुरु जंभेश्वर पर्यावरण संरक्षण पीठ की स्थापना का मुख्य उद्देश्य आज के इस प्रतिस्पर्धात्मक भौतिक विकास, बढ़ती जनसंख्या, प्राकृतिक संपदा के अंधाधुंध दोहन, प्रदूषण की बढ़ती विकराल समस्या ने पर्यावरण प्रबंधन एवं संरक्षण के लिए भारी चुनौतियां पैदा कर दी है जिसके कारण जैव विविधताओं पर संकट, विलुप्त होती प्रजातियां एवं वनस्पति, बदलता मौसम, तेजी से बढ़ती गर्मी, प्राकृतिक संसाधन नदियों के प्रदूषण, वायु प्रदूषण से स्वास्थ्य पर प्रभाव भोजन की उपलब्धता पर संकट, नई-नई उत्पन्न होने वाली बीमारियाँ एवं प्राकृतिक आपदाओं को देखते हुए आज से लगभग 550 वर्ष पूर्व संत श्री गुरु जंभेश्वर भगवान के बताए हुए पर्यावरण संरक्षण एवं प्रबंधन उपदेश, जंभ वाणी आचार संहिता पर्यावरण के क्षेत्र में अनुसंधान करने हेतु शोधार्थियों के लिए प्लेटफार्म उपलब्ध करवाना तथा आमजन में पर्यावरण संरक्षण की भावना पैदा कर उनकी भागीदारी बढ़ाना उनका मुख्य उद्देश्य है

पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, सघन वृक्षारोपण, वन्य जीवों के बचाव एवं उपचार, पर्यावरण शोध के लिए जन भागीदारीता को बढ़ाने एवं उत्साहवर्धन हेतु तीन पुरस्कारों की स्थापना की गई है -

(i) गुरु जंभेश्वर पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार
(ii) श्रीमती अमृता देवी वृक्ष मित्र पुरस्कार
(iii) प्रोफेसर (डॉ.) जेताराम विश्नोई स्मृति पुरस्कार

4. **विभाग अध्यक्ष का कार्यकाल अद्यतन**
   - (i) प्रोफ़ेसर (डॉ.) जेताराम विश्नोई (2016- 2020)
   - (ii) डॉ. ओमप्रकाश विश्नोई (2020- से लगातार)

5. **विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले सम्मान/ पुरस्कार**
   - (i) गुरु जंभेश्वर पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार- पद्म विभूषित स्वर्गीय श्री सुंदरलाल बहुगुणा को मरणोपरांत
   - (ii) श्रीमती अमृता देवी वृक्ष मित्र पुरस्कार- डॉ वंदना शिवा (प्राइड ऑफ द दून सेव द वर्ल्ड पुरस्कार आदि पुरस्कारों से अलंकृत)
   - (iii) प्रोफेसर (डॉ.) जेताराम विश्नोई स्मृति पुरस्कार- जादव पाऐंग असम (फॉरेस्ट मैन ऑफ इंडिया एवं पद्मश्री पुरस्कार से अलंकृत)

जेएनवीयू ने शुरू किए 3 पर्यावरण पुरस्कार, पहला गुरु जंभेश्वर पर्यावरण सम्मान स्व. सुंदरलाल बहुगुणा को, कुलपति बोले- ये गौरव का पल

भास्कर न्यूज़ | जोधपुर

जेएनवीयू स्थित गुरु जम्भेश्वर पर्यावरण शोध पीठ में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार शनिवार को सम्पन्न हो गया। आयोजन सचिव प्रो प्रवीण गहलोत ने बताया कि प्रथम सत्र में मॉरीशस के राष्ट्रपति, पर्यावरणविद सुंदरलाल बहुगुणा व शोध पीठ के संस्थापक प्रो, जेताराम विश्नोई को श्रद्धांजलि देकर शुरुआत की गई। शोध पीठ के निदेशक डॉ ओमप्रकाश विश्नोई ने शोध पीठ द्वारा किए जा रहे कार्यों के संबंध में एवं इस वेबीनार में भाग ले रहे देश विदेश के प्रतिभागियों द्वारा दिए गए ज्ञानवर्धक उद्बोधन के बारे में प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता पदम भूषण एवं पदम श्री से सम्मानित डॉ अनिल प्रकाश जोशी थे। उन्होंने मरुस्थल में पानी की कमी होते हुए भी बिश्नोई समाज द्वारा वन्य जीव संरक्षण एवं पर्यावरण के लिए किए जा रहे समाज के प्रयासों को सराहा। वेबिनार के समापन मौके पर पीठ द्वारा तीन पुरस्कार दिए गए। गुरु जंभेश्वर पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार स्व. सुंदरलाल बहुगुणा को मरणोपरांत

दिया। उनके परिवार से मधु पाठक राजीव बहुगुणा ने वर्चुअल रूप से यह सम्मान स्वीकार किया। राजीव बहुगुणा ने अपने उद्बोधन में मारवाड़ क्षेत्र में विश्नोई समाज द्वारा पर्यावरण संरक्षण में किए जा रहे प्रयासों के मद्देनजर जोधपुर को गंगोत्री के रूप में संबोधित किया। अमृता देवी विश्नोई पुरस्कार डॉ वंदना शिवा देहरादून को प्रदान किया। तीसरा पुरस्कार तपेश्वर जेताराम विश्नोई स्मृति पुरस्कार आसाम के निवासी एवं पदम श्री यादव पायेंग को दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जेएनवीयू के कुलपति प्रो प्रवीनचंद्र त्रिवेदी ने वेबीनार के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के लिए पीठ द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के इतिहास में पदम श्री विजेताओं को मुख्य वक्ता के रूप में व पदम श्री विजेताओं को सम्मानित करना गौरव का पल है। संचालन डॉ हेमसिंह गहलोत ने किया। धन्यवाद डॉ आर के विश्नोई ने दिया। दूसरे सत्र में डॉ कालूराम सेणचा, राजस्थान न्यायिक सेवा के पुनाराम गोदारा, मुम्बई से डॉ वैशाली, काजरी के निदेशक डॉ ओपी यादव, सिंडिकेट सदस्य प्रो शिशुपाल सिंह भादू ने सम्बोधित किया। संचालन डॉ पुष्पा विश्नोई ने किया। अंतिम सत्र में मुख्य वक्ता डॉ बी आर पंवार, विशेष वक्ता डॉ बिकु राठौड़ लन्दन, ममता विश्नोई थे। मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉ पुष्पेन्द्र सिंह भाटी ने अपने भाषण में मारवाड़ में विश्नोई समाज द्वारा किये जा रहे संरक्षण कार्यों को ऐतिहासिक बताया। अध्यक्षता पूर्व सांसद जसवंतसिंह विश्नोई ने की। सत्र में इंजी. भागीरथ विश्नोई, डॉ लालचन्द विश्नोई ने भाग लिया। वेबिनर में 10 देशों के प्रतिभागियों ने 50 शोध पत्र पढ़े।

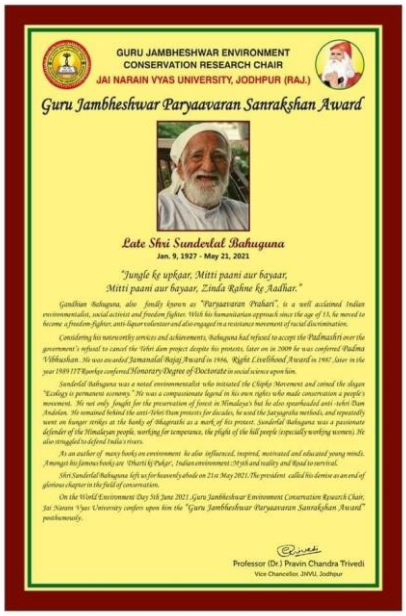

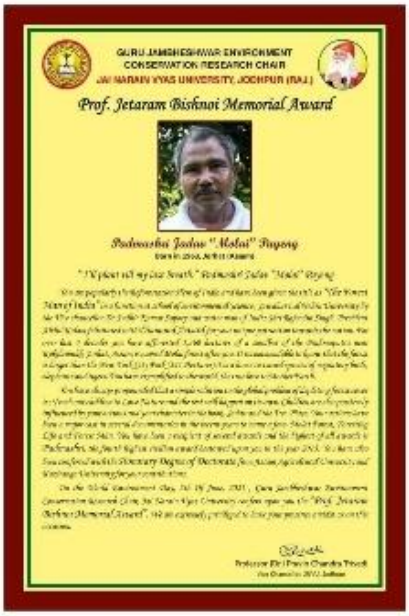

विश्व पर्यावरण दिवस पर तीन महान विभूतियों को पुरस्कृत करते हुए

6. विभाग द्वारा आयोजित की गई संगोष्ठी / रैली

(i) पर्यावरण संरक्षण चेतना साइकिल रैली -

गुरु जंभेश्वर के पर्यावरण संरक्षण सिद्धांतों के वर्तमान परिदृश्य में उपयोगिता और युवाओं को संदेश देने हेतु 12 मार्च 2021 को पर्यावरण संरक्षण चेतना साइकिल रैली का आयोजन किया गया जो कि गुरु जंभेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोध पीठ नया परिसर से रवाना होकर 13 मार्च 2021 को मुकाम, नोखा बीकानेर तक पहुंची ।

(ii) 4-5 जून को अंतरराष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन -

वैश्विक महामारियां, पर्यावरण से **अंतर्संबंध, प्रभाव एवं जांभाणी दर्शन में समाधान** विषय पर गुरु जंभेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ, द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में राजस्थान उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश श्री विजय विश्नोई एवं डॉ पुष्पेंद्र सिंह भाटी, देहरादून से पद्म विभूषण पद्मश्री से सम्मानित डॉ अनिल प्रकाश जोशी पर्यावरणविद, स्वर्गीय श्री सुंदरलाल जी बहुगुणा की पुत्री श्रीमती मधु पाठक, डॉ वंदना शिवा एवं पद्मश्री जादव पाऐंग तथा विश्व विद्यालय परिवार के मुखिया प्रोफेसर (डॉ.) प्रवीण चंद्र त्रिवेदी माननीय कुलपति एवं देश विदेश से जुड़े हुए प्रोफेसर, वैज्ञानिक, शोधार्थी एवं पर्यावरण संरक्षण एवं प्रबंधन से जुड़े लगभग 4000 आम कार्यकर्ता ने भाग लिया ।

दो दिवसीय (4-5 जून 2021) अंतरराष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन:-

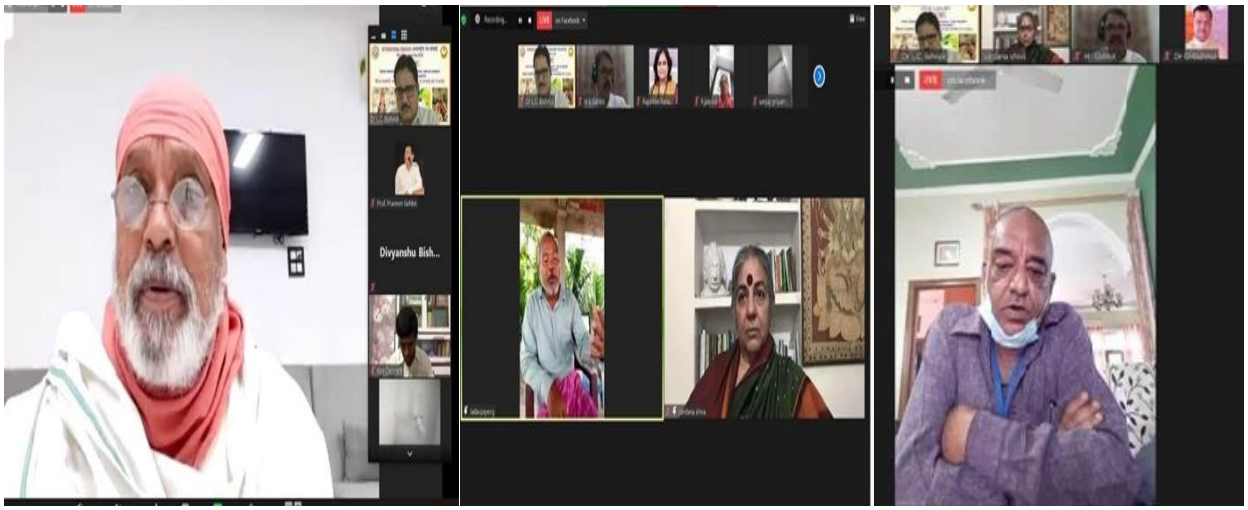
Divyanshu Bish...

INTERNATIONAL WEBINAR अन्तरराष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी
(World Environment Day 2021)
RECENT PANDEMICS, ENVIRONMENTAL
AND SOLUTIONS IN
RELATIONSHIP
वैश्विक महामारियाँ, पर्यावरण से अन्त
दर्शन में समाधान
आयोजक
Rajshree Ranawat
Jadavpayeng

Krishna Ram Ch...
आचार्य कृष्णानंद
INTERNATIONAL WEBINAR अन्तरराष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी
RECENT PANDEMICS, ENVIRO
AND SOLU
TER-RELATIONSHIP
वैश्विक महामारियाँ, पर्यावरण से
ाणी दर्शन में समाधान
आयोजक

गुरू जम्भेश्व
जय नारायण

(i) प्रोफेसर जेताराम विश्नोई स्मृति पार्क :-

प्रोफेसर जेताराम विश्नोई स्मृति पार्क का उद्घाटन 17 जुलाई 2021 को माननीय कुलपति प्रोफेसर प्रवीण चंद्र त्रिवेदी एवं लूणी विधायक श्री महेंद्र विश्नोई द्वारा किया गया । इस पार्क के केंद्र में हरी भरी घास तथा चार अलग-अलग भागों में मरुस्थली, औषधीय, फलदार पौधे एवं ग्रह नक्षत्र वाटिका को विकसित किया गया है

पार्क के चारों तरफ बाउंड्री वॉल एवं तारबंदी जन सहयोग से की गई है

प्रोफेसर (डॉ.) जेताराम बिश्नोई पार्क का अवलोकन कर सुझाव देते हुए माननीय कुलपति महोदय एवं आर्थिक सहयोग हेतु सांचौर में बैठक का आयोजन

प्रोफेसर (डॉ.) जेताराम बिश्नोई पार्क का उद्घाटन करते हुए

राजभवन में बनने वाले विश्वविद्यालय पार्क के बारे में चर्चा करते हुए

जेएनवीयू के प्रस्ताव को मिली हरी झंडी

राजभवन व विवि के पार्कों में दिखेगा खेजड़ली बलिदान

जोधपुर @ पत्रिका. पेड़ों की रक्षा के लिए खेजड़ली में जान देने वाले 363 बलिदानियों की गाथा अब प्रदेश के राजभवन के साथ-साथ सरकारी विश्विद्यालयों के प्रस्तावित पार्क में भी दिखेगी। नई पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण की सीख देने के लिए राजभवन के पार्क में खेजड़ली का स्टेच्यू, टेलीफिल्म, शिलालेख, ताम्रपत्र प्रदर्शित किए जाएंगे। कुछ समय पूर्व राजभवन ने राज्य के सभी विश्विद्यालयों को राजभवन में ऐतिहासिक पार्क बनाने के लिए निर्देश दिए थे। जयनारायण व्यास विश्विद्यालय जोधपुर के अधीन संचालित गुरु जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोध पीठ के सहयोग से कुलपति प्रो डॉ पीसी त्रिवेदी के निर्देश पर रजिस्ट्रार चंचल वर्मा व नोडल अधिकारी डॉ हेमसिंह गहलोत ने राजभवन में पार्क का प्रजेंटेशन दिया था। राजभवन की

कमेटी ने जेएनवीयू का यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। शोध पीठ के निदेशक डॉ ओमप्रकाश विश्नोई के नेतृत्व में डॉ हेमसिंह गहलोत, प्रो खरताराम पटेल, प्रो डॉ शिवकुमार बरबड़, महेश धायल, सुरेन्द्र विश्नोई, राहुल विश्नोई ने राजभवन में पार्क स्थापित करवाने व सिंडिकेट बैठक में शोधपीठ के फाउंडर निदेशक स्व. प्रो जेताराम विश्नोई की स्मृति में जोधपुर यूनिवर्सिटी केम्पस में स्मृति पार्क व पुरस्कार की स्वीकृति देने पर आभार जताया।

खबर को विस्तार से पढ़ें
https://bit.ly/2LXFWQ

आगामी कार्य योजना :-

1. **डिजिटल लाइब्रेरी**:- शोध पीठ में विद्यार्थियों के लिए गुरु जंभेश्वर द्वारा दी गई उपदेशों में पर्यावरण संरक्षण से संबंधित साहित्य उपलब्ध करवाने हेतु डिजिटल लाइब्रेरी विकसित करना ।
2. **शोध पत्रिका का प्रकाशन (जंभधारा)** :- शोधपीठ द्वारा जंभधारा शोध पत्रिका का प्रकाशन करने हेतु इसके रजिस्ट्रेशन एवं प्रकाशन संबंधी कार्यवाही करना ।
3. **स्मार्ट पार्क**:- राजभवन में विश्वविद्यालय स्मार्ट पार्क विकसित करने हेतु कार्य योजना बनाकर उसको क्रियान्वित करना ।